Bal Bharati PUBLIC SCHOOL
Sector-21, Noida, G.B. Nagar

बाल सभा (२०२२-२०२३)
अक्षरों की झाँकियाँ
(अंतर-सदनीय गतिविधि)
कक्षा: I

दिनांक: 11.09.23 (प्रारंभिक सत्र)
14.09.23 (अंतिम सत्र)
कक्षा: I
विषय: अक्षरों की झाँकियाँ

"मुझे बताओ और मैं भूल जाऊंगा, मुझे सिखाओ और मुझे याद है,
मुझे शामिल करो और मैं सीखता हूँ।" - बेंजामिन फ्रैंकलिन

स्वयं कार्य करके सीखना एक सिद्धांत है जो छात्रों की सहभागिता पर भारी जोर देता है और शिक्षा के लिए एक व्यावहारिक, कार्य-उन्मुख प्रक्रिया है। सिद्धांत उस प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसमें छात्र सीखने के अधिक व्यावहारिक और कल्पनाशील तरीकों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। स्वयं करके सीखना अन्य प्रकार की शिक्षा से संबंधित है जैसे साहसिक शिक्षा, क्रियात्मक शिक्षा, सहकारी शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षा, सहकर्मी शिक्षा, सेवा-शिक्षा और स्थित शिक्षा।

अक्षर झाँकी कक्षा 1 के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। सभी छात्र फ़्लैशकार्ड लाए और कक्षा में कविता के रूप में हिंदी वर्णमाला के महत्व को प्रस्तुत करने के लिए इसका उपयोग किया। प्रत्येक सदन से 3 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को अंतिम दौर के लिए कक्षा शिक्षकों द्वारा चुना गया। फ़्लैकार्ड को विभिन्न विषयों के साथ एकीकृत करते हुए पूरे सप्ताह की गतिविधियों के संचालन के लिए कक्षा शिक्षकों द्वारा अपने पास रखा गया था।

सदन के प्रतिनिधियों ने फाइनलिस्टों को अंतिम प्रस्तुति के लिए प्रशिक्षित किया। फाइनलिस्टों ने हिंदी वर्णमाला की पोशाक पहनी और परेड में भाग लिया। विजेताओं का चयन पोशाक, नारा, तालमेल, लय जैसे विभिन्न मापदंडों के आधार पर किया गया। छात्रों ने विभिन्न अक्षरों के रूप में रचनात्मक रूप से कपड़े पहने और हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नारे लगाते हुए परेड प्रस्तुत की।

छात्रों ने बहुत उत्साह और समर्पण के साथ हिंदी दिवस मनाया। विभिन्न सदनों ने एक अच्छी तरह से समन्वित परेड में अपना प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जिसका नेतृत्व कक्षा 1 के नन्हें बच्चों के स्कूल बैंड ने किया। इंटर हाउस प्रतियोगिता में टैगोर हाउस ने बाजी मारी। यह छात्रों द्वारा अच्छी तरह से क्रियान्वित की गई एक सुंदर गतिविधि थी जिसने उन्हें एक टीम के रूप में काम करने का महत्व सिखाया।

रिपोर्ट प्रस्तुत की गई:
सुश्री रुचिका गुप्ता

पर्यवेक्षण:
श्रीमती विनया पुजारी (एचएम (प्राथमिक))